[श्री अली अनवर अंसारी]

12.00 Noon

महोदय, उपरोक्त विषयों का संज्ञान लेते हुए मुश्किल हालात और चौबीस घंटे अपनी सेवा देने वाले अनुबंधित कर्मचारियों को सरकार कब तक मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराएगी? अतः सरकार इन की समस्याओं पर तत्काल कार्यवाही करे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, it is time for Question Hour.

(MR. CHAIRMAN *in the Chair*)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

विमान यात्रियों के लिए निःशुल्क पार्किंग सुविधा

*46. **महंत शम्भुप्रसादजी तुंदियाः** क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या विमानपत्तनों पर विमान यात्रियों को निःशुल्क पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराए जाने संबंधी कोई योजना सरकार के विचाराधीन हैं, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जयंत सिन्हा): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

जी, नहीं। ऐसी कोई योजना फिलहाल विचाराधीन नहीं है।

Free parking facility to airline passengers

†*46. MAHANT SHAMBHUPRASADJI TUNDIYA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state whether any plan is under consideration of Government for the provision of free parking facility to airline passengers at airports and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAYANT SINHA): A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

No, Sir. There is no such plan under consideration at present.

महंत शम्भुप्रसादजी तुंदियाः सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि अगर सरकार की ओर से निशुल्क पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है और इसके संदर्भ में कोई विचाराधीन बात भी नहीं है, तो फिर पार्किंग की जो व्यवस्था

† Original notice of the question was received in Hindi.

है, उससे कितनी इन्कम होती है और उस इन्कम का उपयोग यात्रियों की सुख-सुविधा के लिए किस तरह से किया जाता है।

सर, मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि कुछ दिनों पहले मैं दिल्ली एयरपोर्ट से अहमदाबाद के लिए जा रहा था। शाम का समय हो गया था और मेरी प्रार्थना का टाइम हो गया था, तो मैंने वहां पर प्रार्थना कक्ष के लिए पूछा। किसी ने मुझे बताया कि यात्रियों के लिए जो प्रार्थना कक्ष है, वह उस तरफ है। मैंने वहां जाकर देखा कि उसमें कुछ विशेष एक ही धर्म के संबंध में उल्लेखित निशान प्रार्थना कक्ष में थे और उसमें हरे रंग के सब निशान दिखाए गए थे और उस प्रार्थना कक्ष में कुछ चिह्न दिखाए गए थे, जो किसी एक सम्प्रदाय के या एक धर्म के थे। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि यात्रियों की सुख-सुविधा के लिए जो व्यवस्था की गई है, उसमें सभी धर्मों का परिपालन हो, उस तरह के चिह्न और उस तरह के प्रार्थना कक्ष की व्यवस्था है क्या?

श्री जयंत सिन्हाः माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने पूछा है कि जो सार्वजनिक सुविधाओं का हम लोग प्रावधान कर रहे हैं, जिसमें से एक पार्किंग फैसिलिटी है, वह निःशुल्क दी जा सकती है या नहीं। जैसे रेलवे स्टेशनों पर है, मेट्रो स्टेशनों पर है और भी म्युनिसिपल पार्किंग स्थान हैं, वहां कहीं पर भी पार्किंग निःशुल्क नहीं है और इस कारण से हमारे एयरपोर्ट्स पर भी नहीं है। हमारा प्रयत्न यही है कि जो हमारे एयरपोर्ट्स हैं, वहां पर हम लोगों का प्रयत्न यही है कि हम नॉन एयरोनॉटिकल रेवेन्यूज़ को बढ़ाने का प्रयत्न करें। हमारी कोशिश यही है कि पार्किंग फैसिलिटीज़, दुकानें, retail establishments इन सब के द्वारा नॉन एयरोनॉटिकल रेवेन्यूज़ को हम 35 परसेंट तक लाएं। जैसा कि माननीय सदस्य ने पूछा था कि अगर पार्किंग फैसिलिटीज़ निशुल्क नहीं हैं, तो इससे कमाई कितनी हो रही है। मैं इसके बारे में जो आंकड़े हैं, वे देना चाहता हूं। जो एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एयरपोर्ट्स हैं, वहां पिछले साल 83.92 करोड़ रुपये हम लोगों को पार्किंग फैसिलिटीज़ से रेवेन्यू मिला और जो हमारे पांच प्राइवेट एयरपोर्ट हैं, वहां हम लोगों को 144.58 करोड़ रुपये पार्किंग फैसिलिटीज़ से रेवेन्यू मिला है। ये जो रेवेन्युज़ आ रहे हैं, इनके द्वारा जो एयरपोर्ट चार्जेज़ हैं, उनको हम लोग कम कर रहे हैं और कई सारी सुविधाएं हैं, जो पार्किंग में हम लोग देना चाहते हैं कि आदमी आराम से पार्किंग में गाड़ी पार्क करे और आराम से वहां से exit भी कर पाए। साथ ही साथ जो डिजिटल पेमेंट्स हैं, उनका बंदोबस्त हो और सिक्योरिटी का बंदोबस्त हो। इन व्यवस्थाओं के लिए ये पार्किंग चार्जेज़ लागू किए जाते हैं।

माननीय सदस्य ने एक और प्रश्न पूछा था कि जो prayer rooms हैं या जो अन्य फैसिलिटीज़ worship के लिए दी जाती हैं, वे एयरपोर्ट्स में किस तरीके से दी जाती हैं? जो निर्दश हमारी तरफ से, हमारे मंत्रालय की तरफ से गया है कि इसका कोई साम्प्रदायिक रंग न हो, एक quiet room बनाया जाए, जहां सब धर्म के लोग जा सकें और जो उनको प्रार्थना करनी हो, उसे वे वहां पर करें, यह हमारी तरफ से निर्देश गया है।

श्री सभापतिः दूसरा प्रश्न।

महंत शम्भुप्रसादजी तुंदियाः सर, दूसरा प्रश्न नहीं पूछना है।

श्री सभापतिः ठीक है। श्री हुसैन दलवई।

श्री हुसैन दलवईः सर, मैं बताना चाहता हूं कि unanimously resolution pass किया गया था मुम्बई एयरपोर्ट को छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम देने के बारे में, लेकिन वहां पर जो नाम दिया गया है, वह छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिया गया है। मेरे ख्याल से यह गलत है, क्योंकि वे छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम से पहचाने जाते हैं। मुम्बई एयरपोर्ट का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट होना चाहिए, इसके बारे में आपका क्या कहना है?

दूसरी बात यह है कि रीजनल कनेक्टिविटी के बारे में बहुत बोला जाता है, लेकिन कोल्हापुर, शोलापुर में जहां रीजनल कनेक्टिविटी थी, वह भी बंद कर दी गई।

श्री सभापतिः आप एक सवाल ही पूछिए।

श्री हुसैन दलवईः रत्नागिरि की कनेक्टिविटी का हाल क्या है?

श्री जयंत सिन्हाः सर, एयरपोर्ट की नेमिंग के लिए एक पूरा नियम बना हुआ है और जो सुझाव आते हैं, वे विधान सभा से आते हैं कि किस प्रकार से किसी एयरपोर्ट की नेमिंग की जाए। जब विधान सभा से सुझाव आएगा, तब केंद्र सरकार उस पर चिंता करेगी। जो भी सुझाव विधान सभा से आता है, उस पर हम लोग जरूर ध्यान देते हैं। आपने रीजनल कनैक्टिविटी के बारे में भी पूछा है, उस की बिडिंग की प्रक्रिया कल समाप्त हुई है और हम लोग अगले कुछ दिनों में इस की घोषणा करेंगे कि कौन-कौन से ऐसे एयरपोर्ट्स हैं, जिन्हें रीजनल कनैक्टिविटी स्कीम के तहत जोड़ा गया है और सब आंकड़े आपके सामने हम अवश्य पेश करेंगे।

श्री लाल सिंह वडोदियाः माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि without paying anything यात्रियों को कौन-कौन सी सुविधाएं एयरपोर्ट्स पर दी जाती हैं? अगर हमारे पास economical ticket है, तो चाय-कॉफी के लिए भी पैसे देने पड़ते हैं, तो सरकार without paying anything और क्या-क्या सुविधाएं यात्रियों को देना चाहती है?

MR. CHAIRMAN: One minute, please. The question is on parking, not on facilities. अगर आप जवाब देना चाहते हैं, तो दे दीजिए।

श्री जयंत सिन्हाः माननीय सभापति जी, मैं माननीय सदस्य को आश्वासन देना चाहता हूं कि हमारी यही कोशिश है कि हम जो भी विमान सेवा का प्रावधान कर रहे हैं, उसमें हमारा यह लक्ष्य है कि हम उसे जितना सस्ता और सुरक्षित बना सकें, बनाएं। अब आपको मालूम है कि चाहे एयरपोर्ट हो, विमानन सर्विस हो या और भी कोई सार्वजनिक सर्विस हो, उसमें जो कॉस्ट या भाड़ा है, वह तो देना ही पड़ेगा, नहीं तो हम सुरक्षित और सही तरीके की सेवा नहीं दे पाएंगे। इसलिए हम सेवाओं की सही कॉस्ट के आधार पर सही फीस कर रहे हैं और जो सुविधाएं निःशुल्क दे सकते हैं, वे भी हम जरूर दे रहे हैं।

श्री नज़ीर अहमद लवायः सर, जम्मू-कश्मीर में जब भी बर्फबारी होती है, तो हमारा फेयर बढ़ जाता है। उस समय 3 हजार की टिकट 30 हजार में मिलती है। सर, आप दुनिया के किसी कोने में 40-50 हजार में जा सकते हैं, लेकिन जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू के लिए हमें 30 हजार रुपए देने पड़ते हैं। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि ये फेयर कब कम होंगे और आप इस के लिए कौन से ठोस कदम उठाने जा रहे हैं?

†**جناب نزیراحمد لوائے:** سر، جموں وکشمیر میں جب بھی برف باری ہوتی ہے، تو ہمارا فئیر بڑھ جاتا ہے۔ اس وقت تین ہزار کی ٹکٹ تیس ہزار میں ملتی ہے۔ سر، ا پ دنیا کے کسی کونے میں چالیس پچاس ہزار میں جاسکتے ہیں، لیکن جموں سے سری نگر اور سری نگر سے جموں کے لیے ہمیں تیس ہزار روپے دینے پڑتے ہیں۔ میں منتری جی سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ یہ فئیر کب کم ہونگے اور ا پ اس کے لیے کون سے ٹھوس قدم اٹھانے جارہے ہیں؟

MR. CHAIRMAN: Not related to the question. Anyway!

श्री जयंत सिन्हाः माननीय सभापति जी, हम लोगों का एयरलाइंस का मार्केट एक मार्केट इकोनॉमी के आधार पर चलता है और वहां बहुत competition है और चाहे हम उसे हमारे मंत्रालय के नज़रिए से देखें या Competitive Commission of India के नज़रिए से देखें, हमारी जो उस पर विजिलेंस है, उसमें हम पूरे तरीके से उसका अध्ययन करते हैं, जिसमें कि anti-competitive behaviour न हो। सर, Anti-competitive behaviour में प्राइसिंग में चाहे वह predatory pricing हो या price gouging हो, कई तरीकों से इस का अध्ययन किया जाता है, इस की जांच और analysis किया जाता है। सर, हम लोगों को जो आंकड़े मिल रहे हैं और जो बात analysis से पता चल रही है, जो भी प्राइसिंग अभी एयरलाइंस मार्केट में सेट हो रही हैं, वे competitive तरीके से सेट हो रही हैं और आज तक हम लोगों को आंकड़ों के analysis के आधार पर कोई ऐसा violation नजर नहीं आया है, जिसे हम anti-competitive behavior कह सकें।

MR. CHAIRMAN: Thank you. Question No. 47.

Third party safety audit of hospitals and clinics

*47. SHRI HARIVANSH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the Ministry has initiated the process of getting the third party safety audit of various hospitals and clinics in the country conducted; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI FAGGAN SINGH KULASTE): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) In the aftermath of unfortunate fire incident in a private hospital in Odisha, the Ministry of Health and Family Welfare reviewed the safety compliance of the hospitals in the country and the Hospitals/Institutes under this Ministry have

† Transliteration in Urdu script.